



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 520] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 4, 1976/अग्राहायण 13, 1898

No. 520] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 4, 1976/AGRAHAYANA 13, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 4th December 1976

S.O. 774(E)/18A/IDRA/76.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development and Company Affairs (Department of Industrial Development), No. S.O. 4460/18A/IDRA/67, dated the 14th December, 1967 (as amended from time to time), the management of the industrial undertaking known as Messrs. Samastipur Central Sugar Company Limited, Samastipur, District Darbhanga (now Samastipur), Bihar, has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of nine years upto and inclusive of the 13th December, 1976;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking should continue for a further period of one year under the management of the Bihar State Sugar Corporation Private Limited;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the said Act, the Central Government hereby directs that the order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 13th December, 1977.

[No. F. 4/13/72-CUC].

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1976

का० प्रा० 774 (प्र)/18ए/आई०डी०आर०ए०/76.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास और कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के (समय-समय पर संशोधित) आदेश संख्या 4460/18ए/आई०डी०आर०ए०/67, तारीख 14 दिसम्बर, 1967 द्वारा मैसर्स समस्तीपुर सन्ट्रल शूगर कम्पनी लिमिटेड, समस्तीपुर, जिला दरभंगा (अब समस्तीपुर) (बिहार) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 13 दिसम्बर, 1976 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, अर्थात् नौ वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध बिहार स्टेट शूगर कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध के अधीन एक वर्ष की अवधि के लिए और बना रहना चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निर्देश देती है कि उपरि वर्णित आदेश 13 दिसम्बर, 1977 तक की, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, अतिरिक्त अवधि के लिए प्रभावी रहेगा ।

[सं० फा० 4/13/72-सी० यू० सी०]६

ह० के० घोष, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
मिथ्रवक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976